DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

Circular /Acad Sec./Curriculum-12(7)/HF/CBCS-BA-II Yr/ 01/2023.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Dean, Faculty of Humanities; **the Hon'ble Vice-Chancellor has accepted the following subject wise Curriculum of Choice Based Credit & Grading System** under the faculty of Humanities in his emergency powers under Section 12 [7] of the Maharashtra Public University Act, 2016 on behalf of the Academic Council.

Sr. No.	UG Subject wise Curriculum	Semesters
01.	B. A./B.Com/ B.Sc./BFA/BSW Second Language & Optional Second Year [Marathi]	IIIrd & IVth
02.	B. A./B.Com/ B.Sc./BFA/BSW Second Language & Optional Second Year [Hindi]	IIIrd & Ivth
03.	B. A./B.Com/ B.Sc./BFA/BSW Second Language & Optional Second Year [Urdu]	IIIrd & Ivth
04.	B.A./ B.Com/ B.Sc. Second Language & Optional Second Year [Sanskrit]	IIIrd & Ivth
05.	B. A. Second Year [Political Science]	IIIrd & Ivth
06.	B. A. Second Year with Model College [Economics]	IIIrd & Ivth
07.	B. A. Second Year [History]	IIIrd & Ivth
08.	B. A. Second Year for Model College [Sociology]	IIIrd & Ivth
09.	B. A. Second Year [Public Administration]	IIIrd & Ivth
10.	B. A. Second Year [Military Science]	IIIrd & Ivth
11.	B. A. Second Year [Philosophy]	IIIrd & Ivth
12.	B.A./ B.Com/ B.Sc. Second Year Optional [National Cadet Corps (NCC)]	IIIrd & Ivth

This is effective from the Academic Year 2023-24 and Onwards as per appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Aurangabad-431 004.
Ref. No. SU/Col. /UG/CBCS/ B.A.
II Yr/FH/ 2023/ 3681-91

Date: 03.07.2023.

****

Deputy Registrar,
Academic.

Copy forwarded with compliments to:-

1] **The Principal, all affiliated colleges,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

2] **The Principal, Model college,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

3] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC,
with **a request to upload this Circular on University Website.**

Copy to :-

1] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
2] **The Section Officer, [B.A.,B.Com, B.Sc. Unit] Exam. Branch,**
3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
7] The Public Relation Officer,
8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

-=**=-

DrK*030723/-

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

Hindi Syllabus

CBCS Pattern

B.A. / B. Com. / B. Sc. / B.F.A. / B.S.W. second Year

Semester : III & IV

Second Language (SL)

&

Optional

June : 2023

Dean
Faculty of Humanities,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University,Aurangabad.

प्रो. डॉ. अपर्णा पाटील
अध्यक्ष हिंदी अध्ययन मंडल.

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

Choice Based Credit System (CBCS) Course Structure

Faculty of Humanities

B.A. Second Year Syllabus Structure

Semester Pattern Effective From 2023 – 24 to onwards

Subject : **HINDI (Optional)**

Sem	Course Code	Title of Course	Course Type	Lectures		Marks			Credits		
				Per Week	Total Lectures	Theory	Internal Assessment	Total	Teaching	Internal Assessment	Total
III	CC-1E	हिंदी साहित्य का इतिहास:आधुनिक काल - II	Core Course	04	60	40	10	50	2.5	0.5	3
	SEC-1A	नाटक साहित्य	Skill Enhancement Course	04	60	40	10	50	2.5	0.5	3
Total (Semester - III)				**08**	**120**	**80**	**20**	**100**	**5**	**1**	**6**
IV	CC-1F	कथेत्तर गद्य साहित्य	Core Course	04	60	40	10	50	2.5	0.5	3
	SEC-1B	एकांकी साहित्य	Skill Enhancement Course	04	60	40	10	50	2.5	0.5	3
Total (Semester - IV)				**08**	**120**	**80**	**20**	**100**	**5**	**1**	**6**
Grand Total (Semester – III & IV)				**16**	**240**	**160**	**40**	**200**	**10**	**2**	**12**

B.A. / B. Com. / B. Sc. / B.F.A. / B.S.W. second Year

Semester : III & IV

Second Language (SL)

Subject : **HINDI (Second Language)**

Sem	Course Code	Title of Course	Course Type	Lectures		Marks			Credits		
				Per Week	Total Lectures	Theory	Internal Assessment	Total	Teaching	Internal Assessment	Total
III	AECC-3	सामान्य हिंदी - III	Core Course	04	60	40	10	50	2.5	0.5	3
IV	AECC-4	सामान्य हिंदी - IV	Core Course	04	60	40	10	50	2.5	0.5	3
Grand Total (Semester – III & IV)				**08**	**120**	**80**	**20**	**100**	**5**	**1**	**6**

डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

बी.ए. द्वितीय वर्ष

(तृतीय एवं चतुर्थ सत्र)

हिंदी पाठ्यक्रम

(ऐच्छिक तथा द्वितीय भाषा)

जून 2023 से क्रियान्वित

अ.क्र.	प्रश्नपत्र कोड	प्रश्नपत्र	सत्र
1	AECC-3	सामान्य हिंदी - III	III
2	AECC-4	सामान्य हिंदी - IV	IV
3	CC-1E	हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल - III	III
4	SEC-1A	नाटक साहित्य - IV	III
5	CC-1F	कथेत्तर गद्य साहित्य - V	IV
6	SEC-1B	एकांकी साहित्य - VI	IV

प्रो. अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल.

बी.ए. / बी. कॉम. / बी. एस्सी. / बी. एफ. ए. / बी. एस. डब्ल्यू.

द्वितीय वर्ष : तृतीय सत्र

BA II - III Sem

(द्वितीय भाषा) सामान्य हिंदी

प्रश्नपत्र - 3

HINDI SL – AECC – 3

उद्देश्य :

- गद्य साहित्य के पठन - पाठन की अभिरुचि को विकसित कराना।
- छात्रों में व्यक्तिगत, सामाजिक तथा राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागृति कराना।
- भाषा के स्वरुप और अवधारणा को समझाना।
- हिंदी के प्रयोजनपरक आयामों का परिचय कराना।
- छात्रों में भाषिक कौशल विकसित कराना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान, चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति।
- लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अभ्यास।
- अध्यापन में नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का आवश्यकतानुरूप प्रयोग।
- मौखिक प्रश्नोत्तर, गृहकार्य, इकाई लिखित परीक्षा संयोजन मूल्यांकन।

<u>पाठ्यक्रम</u>

पाठ्यपुस्तक :

अ) **गद्य विभा** : संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद।

पाठ्यक्रम में समाविष्ट रचनाएँ :

1. कहानी : दोपहर का भोजन - अमरकांत
2. रेखाचित्र : रजिया - रामवृक्ष बेनीपुरी

3. संस्मरण : मैथिलीशरण गुप्त - महादेवी वर्मा
4. निबंध : मनुष्य की सर्वोत्तम कृति : साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. यात्रा साहित्य : शांतिनिकेतन में - राहुल सांकृत्यायन

आ) प्रयोजनमूलक हिंदी

1) भाषा का स्वरुप

अ) भाषा: अर्थ, परिभाषा और स्वरुप

आ) भाषा की विशेषताएं

इ) भाषा के कार्य

ई) भाषा के विविध रूप (बोली, विभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानक भाषा, प्रयोजनमूलक भाषा)

2) हिंदी भाषा

अ) भारत की संवैधानिक और अधिकारिक भाषाएँ

आ) हिंदी भाषा क्षेत्र और बोलियों का सामान्य परिचय

इ) हिंदी भाषा का वैश्विक परिदृश्य

3) अनुवाद

अ) अनुवाद :अर्थ,परिभाषा और स्वरुप

आ) अनुवाद प्रक्रिया

इ) अनुवाद के प्रकार

ई) अनुवाद के गुण

उ) अनुवाद : करियर की संभावनाएं

संदर्भ ग्रंथ :

1. साहित्य विधाओं की प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी
2. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिंदी का गद्य पर्व : डॉ. नामवर सिंह
4. हिंदी के अद्यतन अनुप्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के
5. भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. हनुमंत पाटील/डॉ.सुधाकर शेंडगे
6. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख

प्रो. अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अधिमान्य मंडल

बी. ए. द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी : तृतीय सत्र

BA II Optional Hindi - III Sem

HINDI OPT : CC – 1E

प्रश्नपत्र - 5

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

उद्देश्य:

- साहित्य और युगबोध के संबंधों का अध्ययन कराना।
- साहित्य अध्ययन की ऐतिहासिक दृष्टि को विकसित कराना।
- हिंदी साहित्य लेखन की समृद्ध परंपरा से छात्रों को अवगत कराना।
- भारतीय साहित्य परंपरा में हिंदी साहित्य के योगदान को सुनिश्चित कराना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान, चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति।
- लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अभ्यास।
- अध्यापन में नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का आवश्यकतानुरूप प्रयोग।
- मौखिक प्रश्नोत्तर, गृहकार्य, इकाई लिखित परीक्षा संयोजन मूल्यांकन।

<u>पाठ्यक्रम :</u>

अ) हिंदी साहित्य का इतिहास :

आधुनिक काल - परिस्थितियाँ तथा विशेषताएँ।

भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद,

नई कविता का सामान्य परिचय तथा विशेषताएँ

प्रतिनिधि कवि : भारतेंदु हरिश्चंद्र, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला,

नागार्जुन, धर्मवीर भारती, धूमिल

आ) हिंदी गद्य साहित्य का विकास

1. नाटक साहित्य : उद्भव और विकास - सामान्य परिचय
2. कहानी साहित्य : उद्भव और विकास - सामान्य परिचय
3. उपन्यास साहित्य : उद्भव और विकास - सामान्य परिचय
4. एकांकी साहित्य : उद्भव और विकास - सामान्य परिचय

प्रतिनिधि रचनाकार: मोहन राकेश, प्रेमचंद, फणीश्वरनाथ रेणु, रामकुमार वर्मा

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपति चंद्र गुप्त
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ नगेंद्र
4. हिंदी साहित्य युग और प्रवृतियां - डॉ. शिवकुमार शर्मा
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के

प्रो. अपर्णा पाटिल

अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडळ

बी ए द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी : तृतीय सत्र

BA II Optional Hindi - III Sem

HINDI OPT : SEC – 1A

प्रश्नपत्र - 6

नाटक साहित्य

उद्देश्य :

- हिंदी नाट्य साहित्य की विविध धाराओं - परंपराओं से छात्रों को अवगत कराना।
- रंगमंच की अवधारण तथा भारतीय नाट्य परंपरा का सैद्धांतिक ज्ञान छात्रों को कराना।
- नाटक मंचन तथा अभिनय अभिरुचि की वृद्धि कराना।
- नवाधुनातन रंगकर्म तथा दृश्य माध्यमों की प्रयोगधर्मिता का ज्ञान छात्रों को कराना।
- छात्रों में नाट्य कौशल की अभिवृद्धि कराना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान, चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति।
- नाटक मंचन के लिए छात्रों को मार्गदर्शन एवं प्रेरणा।
- लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अभ्यास।
- अध्यापन में नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का आवश्यकतानुरूप प्रयोग।
- मौखिक प्रश्नोत्तर, गृहकार्य, इकाई लिखित परीक्षा संयोजन मूल्यांकन।

पाठ्यक्रम :

पाठ्यपुस्तकें :

१) **कबीरा खड़ा बजार में : भीष्म साहनी**

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

२) **ताजमहल का टेंडर : अजय शुक्ला**

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता - डॉ. सत्यवती त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
2. आधुनिक हिंदी नाटकों में नायक - डॉ. श्याम शर्मा, अभिनय प्रकाशन, नई दिल्ली.
3. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद.
4. आधुनिक हिंदी नाटक एक यात्रा दशक - नरनारायण राय, भारती भाषा प्रकाशन, नई दिल्ली.
5. आधुनिक हिंदी - मराठी नाटक - डॉ. माधव सोनटक्के, संचयन प्रकाशन, कानपुर.
6. नयी रंगचेतना और हिंदी नाटककार - जयदेव तनेजा, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली.

प्रो. अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल.

बी.ए. / बी. कॉम. / बी. एस्सी. / बी. एफ. ए. / बी. एस. डब्ल्यू.

द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सत्र

BA II - IV Sem

(द्वितीय भाषा) सामान्य हिंदी

प्रश्नपत्र - 4

HINDI SL – AECC – 4

उद्देश्य :

- गद्य साहित्य के पठन - पाठन की अभिरुचि को विकसित कराना।
- छात्रों में व्यक्तिगत, सामाजिक तथा राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागृति कराना।
- भाषा के स्वरुप और अवधारणा को समझाना।
- हिंदी के प्रयोजनपरक आयामों का परिचय कराना।
- छात्रों में भाषिक कौशल विकसित कराना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान, चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति।
- लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अभ्यास।
- अध्यापन में नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का आवश्यकतानुरूप प्रयोग।
- मौखिक प्रश्नोत्तर, गृहकार्य, इकाई लिखित परीक्षा संयोजन मूल्यांकन।

<u>पाठ्यक्रम</u>

पाठ्यपुस्तक :

अ) **गद्य विभा** : संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद।

पाठ्यक्रम में समाविष्ट रचनाएँ :

1. पर्यावरण : हमारे जीवन में वनों का महत्त्व - कन्हैयालाल माणिकलाल मुन्शी
2. व्यंग्य : प्राइवेट कॉलेज का घोषणा-पत्र - हरिशंकर परसाई
3. ललित निबंध : माँ की लोरी; रस की गागर - श्रीराम परिहार
4. जीवनी अंश : धरती और धान - पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
5. एकांकी : सूखी डाली - उपेंद्रनाथ अश्क

आ) प्रयोजनमूलक हिंदी:

1) जनसंचार माध्यम:सामान्य परिचय

अ) जनसंचार अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

आ) जनसंचार माध्यमों के प्रकार

इ) पारंपरिक जनसंचार माध्यम (वार्ता, कथा, मेले, पर्व, लोकनाट्य, लोकगीत, लोककलाएँ, कीर्तन, नुक्कड़-नाटक, वास्तुकला, शिलालेख इत्यादि)

ई) आधुनिक जनसंचार माध्यम
(मुद्रित माध्यम, श्राव्य माध्यम,दृक-श्राव्य माध्यम, नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम)

2) जनसंचार माध्यम:विकास और उपयोगिता

अ) समाचार पत्र : परिचयात्मक विकास और उपयोगिता

आ) रेडिओ: परिचयात्मक विकास और उपयोगिता

इ) दूरदर्शन: परिचयात्मक विकास और उपयोगिता

ई) सिनेमा: परिचयात्मक विकास और उपयोगिता

3) इंटरनेट : महत्व और अनुप्रयोग

अ) इन्टरनेट : परिचयात्मक विकास और उपयोगिता

आ) ई-कॉमर्स- अर्थ,स्वरुप और प्रकार

इ) ई- कॉमर्स- लाभ और हानि

ई) दस लोकप्रिय ई- कॉमर्स वेबसाइटस का परिचय

(Amazon India, flipkart, Snapdeal, Myntra, Alibaba इत्यादि)

संदर्भ ग्रंथ:

1. साहित्य विधाओं की प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
2. हिंदी गद्य: विन्यास और विकास : डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिंदी का गद्य पर्व : डॉ नामवर सिंह
4. हिंदी के अद्यतन अनुप्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के
5. इन्टरनेट:महत्व और अनुप्रयोग-अंजलि वर्मा
6. सूचना प्रोद्योगिकी और जनमाध्यम -प्रो.हरिमोहन
7. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम -डॉ.अंबादास देशमुख
8. इलेक्ट्रोनिक मीडिया और हिंदी -डॉ.रेश्मा नदाफ

प्रो. अपर्णा पाटिल
अध्यक्ष हिंदी अध्ययन मंडल

बी ए द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी : चतुर्थ सत्र

BA II Optional Hindi - IV Sem

HINDI OPT : CC – 1F

प्रश्नपत्र - 7

कथेत्तर गद्य साहित्य

उद्देश्य :

- गद्य साहित्य की विविध विधाओं से छात्रों को परिचित कराना।
- गद्य साहित्य के पठन - पाठन की अभिरुचि को विकसित कराना।
- छात्रों में व्यक्तिगत, सामाजिक तथा राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागृति कराना।
- छात्रों को बाजारीकरण तथा वैश्वीकरण के दौर में भाषा के नव आयामों से परिचित कराना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान, चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति।
- लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अभ्यास।
- अध्यापन में नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का आवश्यकतानुरूप प्रयोग।
- मौखिक प्रश्नोत्तर, गृहकार्य, इकाई लिखित परीक्षा संयोजन मूल्यांकन।

पाठ्यक्रम :

पाठ्य पुस्तकें :

१) **युद्ध यात्रा (रिपोर्ताज) : धर्मवीर भारती**
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

२) **निबंधालोक** - संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ. बा.आ. मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद

पाठ्यक्रम में समाविष्ट निबंध :

1) गेहूँ और गुलाब - रामवृक्ष बेनीपुरी
2) आचरण की सभ्यता - सरदार पूर्णसिंह

3) समय-बदरीनाथ चौधरी'प्रेमघन'
4) क्रोध - आ. रामचंद्र शुक्ल
5) साहित्य की महत्ता - महावीर प्रसाद द्विवेदी
6) नेता नहीं नागरिक चाहिए - रामधारी सिंह दिनकर
7) नाखून क्यों बढ़ते हैं - हजारीप्रसाद द्विवेदी

संदर्भ ग्रंथ :

1) हिंदी गद्य का परिप्रेक्ष्य - डॉ. सत्येंद्र
2) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार - डॉ. विनोद
3) यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास - डॉ. सुरेंद्र माथुर
4) हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र
5) हिंदी आत्मकथा : स्वरूप एवं साहित्य - कमलेश सिंह

अपर्णापाटील

प्रो. अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल.

बी ए द्वितीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी : चतुर्थ सत्र

BA II Optional Hindi - IV Sem

HINDI OPT : SEC – 1B

प्रश्नपत्र - 8

एकांकी साहित्य

उद्देश्य :

- छात्रों को हिंदी एकांकी साहित्य की विविध धाराओं से अवगत कराना।
- छात्रों को रंगमंच की अवधारण तथा भारतीय नाट्य परंपरा का ज्ञान कराना।
- छात्रों को दृश्य माध्यमों की प्रयोगधर्मिता का ज्ञान कराना।
- छात्रों को वैश्वीकरण के दौर में दृश्य माध्यमों की प्रमुख भूमिका से अवगत कराना।
- छात्रों में नाट्य कौशल की अभिवृद्धि कराना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान, चर्चा - परिचर्चा, संवाद पद्धति।
- नाटक मंचन के लिए छात्रों को मार्गदर्शन एवं प्रेरणा।
- लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अभ्यास।
- अध्यापन में नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का आवश्यकतानुरूप प्रयोग।
- मौखिक प्रश्नोत्तर, गृहकार्य, इकाई लिखित परीक्षा संयोजन मूल्यांकन।

पाठ्यक्रम :

पाठ्यपुस्तक :

१) **एकांकी रंग तरंग :** संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ. बा.आ. मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद

पाठ्यक्रम में समाविष्ट एकांकी :

1. ईद और होली - सेठ गोविंददास
2. उसर - भुवनेश्वर प्रसाद
3. तौलिए - उपेन्द्रनाथ अश्क
4. सड़क - विष्णु प्रभाकर
5. मकड़ी का जाला - जगदीशचंद्र माथुर
6. कुंवारी धरती - मोहन राकेश
7. परिचय - लक्ष्मीनारायण लाल
8. आप न बदलेंगे - ममता कालिया
9. नींद क्यों रात भर नहीं आती - सुरेंद्र वर्मा

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता - डॉ. सत्यवती त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
2. आधुनिक हिंदी नाटकों में नायक - डॉ. श्याम शर्मा, अभिनय प्रकाशन, नई दिल्ली.
3. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद.
4. आधुनिक हिंदी नाटक : एक यात्रा दशक - नरनारायण राय, भारती भाषा प्रकाशन, नई दिल्ली.
5. आधुनिक हिंदी - मराठी नाटक - डॉ. माधव सोनटक्के, संचयन प्रकाशन, कानपुर.
6. नयी रंगचेतना और हिंदी नाटककार - जयदेव तनेजा, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली.

(signature)
प्रो. अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल

Dr. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

MODEL COLLEGE GHANSAWANGI DIST.JALNA

B.A. HONORS IN HINDI

SECOND YEAR

HINDI SYLLABUS

B.A./B.COM./B.SC (HONORS) SECOND YEAR INDIAN LANGUAGE (S.L.) SEM III & IV

WITH EFFECT FROM

JUNE-JULY 2023 ONWARDS

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

(Sem. III)

Sr. No	Course Code	Course	Course Title	Credits	Work Load
1	IL-HIN 411	Indian Language	सामान्य हिंदी-१	04	04
2	C-HIN 412	Core A	नाटक साहित्य	05	05
3	C-HIN 413	Core B	आधुनिक कविता	05	05
4	S-HIN 414	Supportive	कविता विधारुप एवं विकास	04	04
5	A-HIN 415	Applied-I	प्रयोजनमूलक हिंदी-१	04	04

(Sem. IV)

1	IL-HIN 416	Indian Language II	सामान्य हिंदी-२	04	04
2	C-HIN 417	Core A	जीवनपरक गद्य	05	05
3	C-HIN 418	Core B	निबंध साहित्य	05	05
4	S-HIN 419	Supportive	हिंदी गद्य : विधारुप एवं विकास	04	04
5	A-HIN 420	Applied II	प्रयोजनमूलक हिंदी-२	04	04

Question Paper Structure for University Assessment (U.A.)

For Indian Language Course		
Maximum Marks: 60		**Time: 2.00 Hours**
Note: 1. All questions are compulsory 2. Each question carries equal marks.		
1 Long Answer question	OR	20 Marks
Short answer question a) b)		10 Marks 10 Marks
2 Long Answer question	OR	20 Marks
Short answer question a) b)		10 Marks 10 Marks
3 Long Answer question	OR	20 Marks
Short answer question a) b)		10 Marks 10 Marks

For Major (Core-A and B) Course		
Maximum Marks: 30		**Time: 1.30 Hours**
Note: 1. All questions are compulsory 2. Each question carries equal marks.		
1 Long Answer question	OR	10 Marks
Short answer question a) b)		05 Marks 05 Marks
2 Long Answer question	OR	10 Marks
Short answer question a) b)		05 Marks 05 Marks
3 Long Answer question	OR	10 Marks
Short answer question a) b)		05 Marks 05 Marks

For Supportive Course		
Maximum Marks: 60		**Time: 2.00 Hours**
Note: 1. All questions are compulsory 2. Each question carries equal marks.		
1 Long Answer question		20 Marks
	OR	
Short answer question a) b)		 10 Marks 10 Marks
2 Long Answer question		20 Marks
	OR	
Short answer question a) b)		 10 Marks 10 Marks
3 Long Answer question		20 Marks
	OR	
Short answer question a) b)		 10 Marks 10 Marks

For Applied Course		
Maximum Marks: 60		**Time: 2.00 Hours**
Note: 1. All questions are compulsory 2. Each question carries equal marks.		
1 Long Answer question		20 Marks
	OR	
Short answer question a) b)		 10 Marks 10 Marks
2 Long Answer question		20 Marks
	OR	
Short answer question a) b)		 10 Marks 10 Marks
3 Long Answer question		20 Marks
	OR	
Short answer question a) b)		 10 Marks 10 Marks

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष : तृतीय सत्र

हिंदी :- द्वितीय भाषा (Indian Language)

Course Code IL-HIN-४११ - सामान्य हिंदी-१

अंक-१००

उद्देश्य :

१. हिंदी भाषा की संरचना का अध्ययन
२. लेखन तथा भाषण कौशल्य का विकास
३. कथेत्तर गद्य साहित्य का अध्ययन

अध्ययन-अध्यापन पध्दती :

१. व्याख्यान
२. स्वाध्याय

पाठ्यपुस्तक : **६० अंक**

१. निबंध सौरभ : संपादक प्रा.सौ.उमा जाधव, परंपरा प्रकाशन, दिल्ली.
   अ. निबंध सौरभ में संकलित रचनाओं का संवेदनागत एवं शिल्पगत अध्ययन

पाठयांश :

१. निबंध, ललित निबंध, व्यंग्य विधा : स्वरुप और विकासक्रम
२. संकलन की रचनाओं का कथ्य और शिल्पगत अध्ययन
   प्रयोजनमूलक भाषा : स्वरुप एवं महत्त्व, भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ एवं प्रकार्य, वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का महत्त्व
३. भाषा शिक्षण : स्वरुप एवं प्रक्रिया, भाषा कौशल, श्रवण कौशल, भाषण कौशल, वाचन कौशल, लेखन कौशल.
४. व्यावसायिक हिंदी : वाणिज्य व्यापार : तात्पर्य एवं स्वरुप, वाणिज्य व्यापार के साधन वाणिज्य व्यापार और भाषिक प्रकार्य, वाणिज्य-व्यावसायिक भाषा : संरचनात्मक विशेषताएँ, व्यावसायिक पत्रलेखन.

अंतर्गत मूल्यांकन : **४० अंक**

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
२. प्रयोजनमूलक हिंदी : आधुनातन आयाम : डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाठी/पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर
४. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ.सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन, कानपुर
५. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ.बाबुराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष : तृतीय सत्र

Course Code C-HIN-४१२

Core-A : नाटक साहित्य

अंक-५०

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३. नाटक साहित्य का अध्ययन
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन-अध्यापन पध्दती :

१. व्याख्यान
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग
३. कार्यशाला
४. स्वाध्याय

पाठ्यपुस्तक : **३० अंक**

१. भभूल्या : रत्नकुमार सांभरिया, नटराज प्रकाशन, दिल्ली.
२. एक था गधा : शरद जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली.

पाठयांश :

१. नाटककार रत्नकुमार सांभरिया का जीवन परिचय
२. भभूल्या नाटक का संवेदनागत तथा शिल्पगत अध्ययन
३. शरद जोशी का जीवन परिचय
४. एक था गधा का संवेदनागत तथा शिल्पगत अध्ययन

अंतर्गत मूल्यांकन : **२० अंक**

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिंदी विधाएँ : स्वरुपात्मक अध्ययन, डॉ.वैजनाथसिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगढ
२. नाटक तथा रंग परिकल्पना : डॉ.गिरिष रस्तोगी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
३. हिंदी दलित लेखन एवं रत्नकुमार सांभरिया का साहित्य : डॉ.धुलचंद मिना, नटराज प्रकाशन दिल्ली.
४. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र - देवराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष : तृतीय सत्र

Course Code C-HIN-४१३

Core-B : आधुनिक कविता

अंक-५०

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३. काव्य साहित्य का अध्ययन
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन-अध्यापन पध्दती :

१. व्याख्यान
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग
३. कार्यशाला
४. स्वाध्याय

पाठ्यपुस्तक : **३० अंक**

१. आधुनिक काव्य संग्रह : संपादिका डॉ.उर्वशी शर्मा, मलिक ॲण्ड कंपनी, जयपूर
२. चुनी हुई लंबी कविताएँ : संपादित गोविंदप्रसाद , वाणी प्रकाशन दिल्ली.

पाठयांश :

१. छायावादी काव्य और प्रसाद, निराला तथा पंत का काव्य : संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन
२. गजानन माधव मुक्तिबोध का काव्य : संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन
३. रघुवीर सहाय का काव्य : संवेदना तथा शिल्पगत अध्ययन
४. जयशंकर प्रसाद, निराला, धूमिल, लीलाधर जगुडी, उदय प्रकाश तथा लिलाधर मंडलोई की लंबी कविताओं का संवेदनागत तथा शिल्पगत अध्ययन

अंतर्गत मूल्यांकन : **२० अंक**

संदर्भ ग्रंथ :

१. समकालीन हिंदी कविता और अस्मिता : डॉ.पी.ए.रघुराम
२. जयशंकर प्रसाद महानता के आयाम : करुणाशंकर उपाध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
३. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ : करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली.
४. निराला का काव्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन कमलप्रभा कपानी
५. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष : तृतीय सत्र

Course Code S-HIN-४१४

Supportive : कविता : विधारुप एवं विकास

अंक-१००

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३. काव्य साहित्य का अध्ययन
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन-अध्यापन पध्दती :

१. व्याख्यान
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग
३. कार्यशाला
४. स्वाध्याय

पाठयांश : **६० अंक**

१. कविता : तात्पर्य एवं परिभाषा
२. प्रबंध कविता और उसके भेद
३. महाकाव्य का परिचय
४. खण्डकाव्य का परिचय
५. मुक्त काव्य का परिचय
६. नीतीकाव्य का परिचय
७. प्राचीन तथा मध्यकालीन कविता : विकासात्मक परिचय
८. आधुनिक हिंदी कविता : विकासात्मक परिचय

अंतर्गत मूल्यांकन : **४० अंक**

संदर्भ ग्रंथ :

१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत : डॉ. शान्तिस्वरुप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली.
२. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी, शांतिस्वरुप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली.
३. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य की रुपरेखा डॉ.रामचंद्र तिवारी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
४. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र : डॉ. देवराजसिंह भाटी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष : तृतीय सत्र

Course Code A-HIN-४१५

Applied : प्रयोजनमूलक हिंदी-१

अंक-१००

उद्देश्य :

१. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
२. प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन
३. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन-अध्यापन पध्दती :

१. व्याख्यान
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग
३. कार्यशाला
४. स्वाध्याय

पाठ्यपुस्तक : **६० अंक**

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

पाठयांश :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरुप तथा प्रयोगक्षेत्र प्रयोजनमूलक भाषा से तात्पर्य, प्रयोजनमूलक हिंदी : नामकरण, परिभाषा एवं स्वरुप, व्यवहार क्षेत्र या प्रयुक्तियाँ वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी, प्रशासनीक कार्यालयी हिंदी, विधी की हिंदी, वाणिज्य और व्यावसायिक हिंदी, जनसंचार माध्यमों की हिंदी
२. पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्द : स्वरुप तथा परिभाषा, सामान्य विशेताएँ, निर्धारण : समस्या और समाधान, भारतीय पारिभाषिक शब्दावली, सरकारी-अर्द्धसरकारी कार्यालयों मे काम आनेवाली पारिभाषिक शब्दावली, मंत्रालयों, कार्यालयों के नाम तथा पदनाम, भारतीय पारिभाषिक शब्दावली : प्रश्नों के घेरे में
३. व्यावहारिक - व्यावसायिक पत्र लेखन, व्यावसायिक पत्र स्वरुप एवं प्रारुप, व्यावसायिक पत्र स्वरुप एवं प्रारुप, व्यावसायिक व्यावहारिक पत्र की स्वरुपगत विशेषताएँ, आवेदन पत्र, साख पत्र, मूल्यज्ञापन पत्र, शिकायत पत्र, समायोजन पत्र, तगादा पत्र विशेष व्यावहारिक पत्र, बँक तथा बँकिंग से संबंधित पत्र

४. सरकारी तथा अर्द्धसरकारी पत्र व्यवहार, सरकारी पत्राचार से तात्पर्य, सामान्य विशेषताएँ, स्वरुप एवं प्रारुप, अर्द्धसरकारी पत्र का स्वरुप तथा प्रारुप, सरकारी पत्र के विविध रुप, ज्ञापन, अधिसूचना आदेश, परिपत्र प्रेस विज्ञप्ति.

अंतर्गत मूल्यांकन : **४० अंक**

संदर्भ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

२. प्रयोजनमूलक हिंदी : आधुनातन आयाम : डॉ.अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर.

३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाठी / पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर.

४. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ.सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन कानपुर.

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

हिंदी :- द्वितीय भाषा (Indian Language)

Course Code IL-HIN-४१६

अंक-१००

उद्देश्य :

१. हिंदी भाषा की संरचना का अध्ययन
२. कौशल्य का विकास
३. मीडिया लेखन से छात्रों को अवगत कराना

अध्ययन-अध्यापन पध्दती :

१. व्याख्यान
२. स्वाध्याय

पाठ्यपुस्तक : **६० अंक**

१. संस्कृति क्या है? विष्णु प्रभाकर सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन

पाठयांश :

१. मीडिया लेखन : जनसंचार माध्यम के विविध रुप, समाचार लेखन, रेडिओ वार्ता लेखन, फिचर लेखन
२. वैज्ञानिक तथा तकनीकी हिंदी : वैज्ञानिक तथा तकनीकी हिंदी का स्वरुप एव विशेषताएँ, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण : सिध्दांत एवं प्रयोग, वैज्ञानिक तकनीकी अनुवाद का स्वरुप एवं समस्याएँ.
३. निबंध लेखन : तात्पर्य एवं परिभाषा, निबंध के भेद, निबंध लेखन प्रक्रिया
४. संस्कृति क्या है? संकलन की रचनाओं का कथ्य और शिल्पगत अध्ययन

अंतर्गत मूल्यांकन : **४० अंक**

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
२. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम, डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाठी / पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर
४. हिंदी साहित्य का इतिहास युग और प्रवृत्तियाँ : शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

Course Code C-HIN-४१७

Core-A : जीवनीपरक गद्य

अंक-५०

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३. आत्मकथा साहित्य का अध्ययन, संस्मरण साहित्य का अध्ययन
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन-अध्यापन पध्दती :

१. व्याख्यान
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग
३. कार्यशाला
४. स्वाध्याय

पाठ्यपुस्तक : **३० अंक**

१. क्या भुलूं क्या याद करुँ : हरिवंशराय बच्चन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली.
२. स्मृतिबिंब : संपा.डॉ.चंद्रेश्वर कर्ण,जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

पाठयांश :

१. रचनाकार हरिवंशराय बच्चन जी का परिचय
२. क्या भुलूं क्या याद करुँ कथ्यगत विवेचन
३. क्या भुलूं क्या याद करुँ का शिल्पगत विवेचन
४. स्मृतिबिंब मे संकलित रचनाओं का कथ्यगत अध्ययन
५. स्मृतिबिंब मे संकलित रचनाओं का शिल्पगत अध्ययन

अंतर्गत मूल्यांकन : **२० अंक**

संदर्भ ग्रंथ :

१. हरिवंशराय बच्चन का आत्मकथात्मक साहित्य : प्रा.श्रीनिवास, अभय प्रकाशन, कानपुर.
२. आत्मकथा साहित्य : सिध्दांत और समीक्षा- डॉ.आनंद सिंहल, अमन प्रकाशन, कानपुर.
३. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
४. कथेत्तर साहित्य की विविध विधाएँ : वैद्यनाथ सिंह
५. भाषा साहित्य और देश : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

Course Code C-HIN-४१८

Core-B : निबंध साहित्य

अंक-५०

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३. निबंध, व्यंग्य साहित्य का अध्ययन
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन-अध्यापन पध्दती :

१. व्याख्यान
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग
३. कार्यशाला
४. स्वाध्याय

पाठ्यपुस्तक : **३० अंक**

१. श्रेष्ठ ललित निबंध : संपा. डॉ.नंदूजी दुबे, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. काग भगोडा : हरिशंकर परसाई, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

पाठयांश :

१. श्रेष्ठ ललित निबंध में संकलित रचनाओं का कथ्यगत अध्ययन
२. श्रेष्ठ ललित निबंध में संकलित रचनाओं का शिल्पगत अध्ययन
३. रचनाकार हरिशंकर परसाई का जीवन तथा रचना संसार
४. काग भगोडा में संकलित व्यंग्य का कथ्यगत तथा शिल्पगत अध्ययन

अंतर्गत मूल्यांकन : **२० अंक**

संदर्भ ग्रंथ :

१. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य का मूल्यांकन : डॉ. सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, कानपुर.
२. हरिशंकर परसाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व डॉ. मनोहर देवालिया, साहित्यवाणी, इलाहाबाद.
३. हरिशंकर परसाई के व्यंग्यो में वर्ग चेतना : डॉ. आभा भट्ट, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
४. हिंदी साहित्य का इतिहास युग और प्रवृत्तियाँ : शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

Course Code S-HIN-४१९

Supportive : हिंदी गद्य : विधारुप एवं विकास

अंक-१००

उद्देश्य :

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिसंस्कार
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३. काव्य साहित्य का अध्ययन
४. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन-अध्यापन पध्दती :

१. व्याख्यान
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग
३. कार्यशाला
४. स्वाध्याय

६० अंक

पाठयांश :

१. हिंदी गद्य : विधारुप एवं विकास का अध्ययन
२. हिंदी आत्मकथा : विधारुप एवं विकास का अध्ययन
३. हिंदी जीवनी : विधारुप एवं विकास का अध्ययन
४. हिंदी संस्मरण : विधारुप एवं विकास का अध्ययन
५. हिंदी रेखाचित्र : विधारुप एवं विकास का अध्ययन
६. हिंदी ललित निबंध : विधारुप एवं विकास का अध्ययन
७. व्यंग्य विधारुप एवं विकास का अध्ययन

४० अंक

अंतर्गत मूल्यांकन :

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्यशास्त्र : डॉ. माधव सोनटक्के
२. कथेत्तर साहित्य की विविध विधाए : वैद्यनाथ सिहल, हिमाचल प्रदेश साहित्य अकादमी, सिमला.
३. साहित्य शास्त्र : डॉ. चंद्रभानु सोनवणे.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

मॉडेल कॉलेज घनसावंगी जि.जालना

बी.ए. द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

Course Code A-HIN-४२०

Applied : प्रयोजनमूलक हिंदी-२

अंक-१००

उद्देश्य :

१. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
२. प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन
३. लेखन तथा भाषण कौशल का विकास

अध्ययन-अध्यापन पध्दती :

१. व्याख्यान
२. दृकश्राव्य साधनों का प्रयोग
३. कार्यशाला
४. स्वाध्याय

६० अंक

पाठ्यपुस्तक :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

पाठयांश :

१. व्यापार और जनसंचार माध्यम : व्यापारिक विज्ञापन और जनसंचार के माध्यम, समाचारपत्रीय विज्ञापन, आकाशवाणी द्वारा प्रसारित विज्ञापन, दूरदर्शन द्वारा प्रसारित विज्ञापन, चित्रपट विज्ञापन, व्यापारिक जनसम्पर्क में जनसंचार माध्यमों का योगदान, जनसंचार माध्यमों का दायित्व विज्ञापन की भाषा, विज्ञापनीय भाषा का विशेषताएँ, विज्ञापन की हिंदी : स्वरुप एवं समस्याएँ
२. अद्यतन इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम और हिंदी : कम्प्युटर : सामान्य परिचय, उपयोगिता, संरचना प्रकार, सॉफ्टवेअर पैकेज, हिंदी में शब्द संसाधन हिंदी में डाटा संसाधन, इंटरनेट : आविष्कार और विकास तात्पर्य और स्वरुप, नेटवर्क, इंटरनेट कार्यप्रणाली, इंटरनेट के संपर्क उपकरण : कम्प्युटर, ऑपरेटिंग सिस्टम, संचार माध्यम, डायल अप कनेक्शन, मॉडेम, बेसिक सॉफ्टवेअर, इंटरनेट सर्विस प्रोव्हायडर, इंटरनेट प्रोटोकॉल्स, इंटरनेट इल्स, इंटरनेट की उपयोगीता : ई-मेल, इंटरनेट दूरध्वनी, वर्ल्ड वाईड वेब, एफ.टी.एफ, ई-कॉमर्स, इंटरनेट रिले चॅट, इंटरनेट फॅक्स, वेब पत्रकारिता, ब्लॉगिंग, पॉडकास्टींग.
३. मानक लिपी और अंक लेखन : हिंदी की स्वीकृत वर्णमाला तथा अंकलेखन देवनागरी लिपी :

गुण-दोष

४. अनुवाद : स्वरुप, परिभाषा, भेद, शब्दानुवाद, सहजानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, व्याख्यानुवाद, वार्तानुवाद, रुपान्तरण, भाषान्तरण, अनुवाद के गुण.

४० अंक

अंतर्गत मूल्यांकन :

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

२. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम : डॉ.अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर.

३. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : रमेशचंद्र त्रिपाठी / पवन अग्रवाल, अल्का प्रकाशन, कानपुर.

४. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ.सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन कानपुर.

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद

डॉ. अपर्णा हिमतराव पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल
डॉ. बा.आं.म.वि.औरंगाबाद.